

AS-IA ARCHIVES

1.469

RESEARCH

॥ तमा गुनगर्भं स्वस्ति नमः ॥ अलिखन्तु धाम ॥ त्रैलोक्यं गुनगर्भं
स्वीकृत्य नन्दनाथ पादुकां यज्या मिगर्भं यामि ॥ जय नमः गुनगर्भं
स्वीकृत्य नन्दनाथ ॥ १ ॥ जय नमः स्वीकृत्य नन्दनाथ ॥ १ ॥
॥ त्रैलोक्यं ॥ ३ ॥ त्रैलोक्यं गगन नन्दनाथ ॥ १ ॥ जय नमः
नन्दनाथ ॥ १ ॥ जय नमः नन्दनाथ ॥ १ ॥ जय नमः नन्दनाथ ॥ १ ॥

ॐ श्रीविष्णुलीलाधरनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीकमलानन्दधरनाथ ॥ ११ ॥
ॐ श्रीधिवानन्दधरनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीनामानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीः
कृष्णानन्ददेवनाथ ॥ ११ ॥ ॐ निसिद्धाय ॥ ६ ॥ ॐ श्रीचन्द्रसूर्या
श्वर्धिसिवानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीगीवानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीखचवान
न्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीगर्गनन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीसिंहानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ

श्रीजयानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीविजयानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीविगान
न्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीवीवानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीविमलधवीम्बा ॥ ११ ॥ ॐ
श्रीरूद्रमसिधवीम्बा ॥ ११ ॥ ॐ श्रीउन्ननानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीवत्स
नन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीकहावानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीखमानन्दना
थ ॥ ११ ॥ ॐ श्रीयकानन्दनाथ ॥ ११ ॥ ॐ निमानोद्य ॥ १७ ॥ ॐ निसुन

मर्थ्यही॥ ॥ गत्वसाधनी॥ जें १३ धिवधकि सदा धिवध
वसुध्वि विद्यागत्व जां न गत्व न सुत दहं साधयामि स्वाहा॥
१३ ॥ १३ ॥ साय कला अविद्यानाग का विमि निमि यन्य गत्व जां
विद्यागत्व न सुत दहं साधयामि स्वाहा॥ १० ॥ पुनरि अहं
कानमना वृद्धि अगत्व अहं जिह्वाया तवा कवा सि यायूयह

हायस्य हा नूय नर्स गभ्र अका हा वाय गज हा सिल पृथी गत्व
हं धिव गत्व न पन दहं साधयामि स्वाहा॥ १३ ॥ १३ ॥ धिव धकि
सदा धिव ध्वन सध्व विद्या माया कला अविद्या नाग का विमि वि
यनिय न्य पुनरि अहं कानमना वृद्धी त्यादि जां जां हं सर्व ग
त्व मृगं जनि वसाधयामि स्वाहा॥ ॥ नित्तत्वसाधनी॥ ॥

रुनमन्त्रेववाया॥ ॐ हूं रं ज रं ज हूं हूं रुद्र ००॥ रुनमन्त्र
या॥ ॐ रुनमन्त्रवृद्धात्म जायहूं रुद्र ॥ ॐ मित्रादयश्च दान
॥ ॐ वायव्यगयविमरु वृद्धात्म जायधर्मिही। गन्नारुनम ७
प्रवादया ॥ ॥

2

ASHA ARCHIVES

1.469

OLD THE NO. 1

स्नातिय ३॥ प्राधममा॥ न्यास॥ शिवायवाय॥ हंसाय हं यं याव हं हं अ॥
मित्री ऊह द अ चं व न ह वि ऊ ह अ य व नं य व न ह मि य न मा का ध
धून्य वा हि नि त्र न्य सूर्या नि रु द्ध मि न र्ग वि ष २ स्वा हा ॥ नै अ मृ ग अ
मृ गा ह व अ मृ ग व र्धि मि अ मृ गं धा व य धा व य धु क सा य मा व य २
प्रां शं स १ अ मृ ग ध यो न म ॥ म न्द्र म दान ना क प य ॥ नै हं हं हं हं अ

न न्द्र रे व वा य आ न न्द्र रे व यो न म ॥ नै या नि मू डा ॥ मू ल म न्द्र धा
व ३ य उ य ॥ नै अ यू ज ॥ अ धा वा रु ३ ॥ नै कू सो धा व य उ य ॥ क न्द्र ग
मणी मा रु स हा य ॥ म र्थ ए या य ॥ ३ ॥ ॥ र ग ना द द क ला नि मि
र्य था ॥ अ यं वीं द्रां कालि न्ये २ ॥ अ न्नं वूं धू मयै २ ॥ अ लं त्रं कं क पि ल
मै २ ॥ अ वं त्रं विं वि सृ लि मि न्ये २ ॥ अ गं वीं नी नी ला ये २ ॥ अ यं विं कं

कयाये २॥ असं वं नं नकाये २॥ अहं वं अं अविषये २॥ अलं वं हं
हयवाहनाये २॥ अकं नं कं कयावाहनाये २॥ **धन** ॥ शिवकान
कवधुं रा किष्ठास्य विरुविता स्यहत्मा धूम शिखा सर्मा क
धधनधुला ॥ अक्षमाला धाकिधन कलाय धाक वृयिनि कमधुः
तुवनाय धालामाला धामाकल ॥ अक्षिकलदिध कवृयायाग

धनविविक्तय ७॥ धूमियाया धात्रमले ॥ **॥ दायध कला**
सूर्याय धा ॥ अं कं रं हं गं गयिरे २॥ अखं वं हं गं गयिरे
२॥ अगं रं हिं धूं धूमाये २॥ अघं यं हूं मं मयिरे २॥ अहं नं हूं कं
कालिने २॥ अचं धं हूं विविरे सिंहिले २॥ अचूं दं हूं सं सुयुमा
ये २॥ अजं थं हूं रं रगदाये २॥ अमं गं हूं विं ध्याये २॥ अनें हं हं

वांवा विनोश ॥ जट्टं हं धं धा विनोश ॥ ज० उं हं १ हं दमाये ॥
न ॥ विनोश विनोश नका सका खन धवा रुना ॥ म उ ३ ४ साम
नूया च रुसो य न ध ना धु रा ॥ काला माला कर्ल धा य ७ नाना
रुव ह रु विगा ॥ कला द्या दहा नूया च पा गु नूयं वि वि नय ७ ॥
॥ गि पाग ॥ ॥ वा उ हा कला च द्या यथा ॥ विं ज र्म सं हं १ धि नो

शा ॥ ज म्मां सों रं रं दि नो ॥ ज ० ० ० सिं वां वा माये ॥ ज ० ० ० सी र्म र्म
मृ गो ये ॥ ज उं सें कां का न नू यि खे ॥ ज उं सें सें स न्य ये ॥ ज
अं सें सें य कटा ये ॥ ज म्मूं सें वां वा माये ॥ ज उं सें सिं सि द्वि या
ये ॥ ज उं सें कां का ल क र खे ॥ ज वं सें सें प्र रा ये ॥ ज नूं सें विं
वि म ना ये ॥ ज उं सें तां ता ना ये ॥ ज उं सें रं रं द्या ये ॥ ज र्म सें

नंनदिने ॥ १ ॥ अष्टसप्तं घृष्टिमाये ॥ २ ॥ ध्यान ॥ दिनशदिशुजास्थ
गादीनादाधुवसंरावा ॥ दक्षिणकलसंदिवां दिवामृगयप्रवितं
॥ वामनीवां लंवेवसा कादमृगत्रयिणी ॥ कालामालाकूलं ध्या
य ॥ नानारनवधरुविता ॥ कलाधागृधत्रयात्रयाशायविविवि
नय ॥ याशायविपूवन्नन ॥ ॐ तिदहा कलादादहा कलाधादहा

कलापागृध्रुजां समार्य ॥ ॥

AS-IA ARCHIVES

1.463

ਗੁਰਮਤਿ ਨਾਮੋ